[18/3/2020]

प्रश्न सं. [क्र. 708]

विधानसभा तारांकित प्रश्न क्रमांक –708 के प्रश्नांश (ख) का परिशिष्ट – 'अ'

प्रश्नकर्ता :– श्री सुशील कुमार तिवारी सदन में उत्तर देने का दिनांक : 18/03/2020

परिशिष्ट– 'अ'

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों में पोषण स्तर में सुधार हेतु की जा रही कार्यवाही

स्वास्थ्य विभाग –

- जन्म के एक घंटे के भीतर नवजात शिशु को स्तनपान कराने, 6 माह के उम्र तक शिशु को अनन्य स्तनपान कराने एवं 6 माह के उपरान्त सम्पूरक आहार कराने मात्र से कुपोषण के प्रकरणों में कमी लाई जा सकती है। अतः समस्त समस्त प्रसव केन्द्रों पर प्रसव के तुरंत बाद स्तनपान शुरू करने एवं छः माह तक शिशु को केवल माँ का दूध ही पिलाने को बढावा देने हेतु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा समझाइश दी जा रही है।
- 9 माह से 60 माह की आयुवर्ग के समस्त बच्चों को सूक्ष्म पोषक तत्वों (**Micronutrients**) की प्रदायगी हेतु प्रति वर्ष में दो बार, 9 माह से 5 वर्ष के समस्त बच्चों को निर्धारित मात्रा में विटामिन "ए" का घोल पिलाया जाता है।
- 6 माह से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को सप्ताह में दो बार आई.एफ.ए. सीरप पिलाया जा रहा है।
- वर्ष में दो बार दस्तक अभियान के माध्यम से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों में गंभीर कुपोषण, गंभीर एनीमिया, गंभीर निमोनिया, गंभीर निर्जलीकरण, जन्मजात चिकित्सीय जटिलताओं एवं अन्य बीमारियों की सक्रिय जांच, उपचार व उचित प्रबंधन किया जाता है। इस दौरान इन बच्चों के परिवारों को स्तनपान/बाल आहारपूर्ति, ओ.आर.एस. का वितरण व निर्माण विधि तथा हाथ धोने संबंधी परामर्श दिया जाता है।
- गंभीर कुपोषण से ग्रस्त बच्चों के उपचार हेतु पोषण पुनर्वास केन्द्र संचालित हैं, इन केन्द्रों में भर्ती गंभीर कुपोषित बच्चों का भारत शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार उपचार किया जाता है।

महिला एवं बाल विकास विभाग–

बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु महिला एवं बाल विकास द्वारा 5 वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों के शारीरिक वृद्धि निगरानी के माध्यम से पोषण स्तर का निर्धारित किया जाता है तथा चिन्हित गंभीर कुपोषित बच्चों के पोषण प्रबंधन हेतु पोषण पुनर्वास केन्द्र में संदर्भित किया जाता है। बच्चों की पोषण स्थिति मे सुधार हेतु आंगनवाड़ी सेवा योजनाएं अंतर्गत पूरक पोषण आहार एवं कुपोषित बच्चों को अतिरिक्त आहार के तौर पर थर्डमील उपलब्ध कराया जाता है। कुपोषण निवारण हेतु अटल बिहारी बाजपेयी बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन अंतर्गत जिले की आवश्यकता अनुसार कार्ययोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। स्नेह सरोकार कार्यक्रम में स्थानीय प्रबुद्ध नागरिको द्वारा बच्चों के पोषण स्तर के देखभाल की जिम्मेदारी ली जाती है।

उप सचालक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
मध्यप्रदेश

विधानसभा तारांकित प्रश्न क्रमांक –708 के प्रश्नांश (ग) का परिशिष्ट – 'ब'

प्रश्नकर्ता :– श्री सुशील कुमार तिवारी सदन में उत्तर देने का दिनांक : 18/03/2020

जबलपुर जिले में दस्तक अभियान जुलाई 2019 में चिन्हाकित कुपोषित बच्चों की संख्या

क्र.	विधानसभा क्षेत्र का नाम	चिन्हित कुपोषित बच्चों की संख्या
1	जबलपुर पूर्व	42
2	जबलपुर उत्तर मध्य	103
3	जबलपुर केन्ट	97
4	जबलपुर पश्चिम	82
5	बरगी	27
6	पाटन	91
7	पनागर	197
8	सिहोरा	94
योग		733

उप सचालक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
मध्यप्रदेश

27

विधानसभा तारांकित प्रश्न क्रमांक –708 के प्रश्नांश (घ) का परिशिष्ट – 'स'

प्रश्नकर्ता :– श्री सुशील कुमार तिवारी सदन में उत्तर देने का दिनांक : 18/03/2020

जबलपुर जिले में दस्तक अभियान जुलाई 2019 में चिन्हाकित कुपोषित बच्चों में स्वास्थ्य लाभ प्राप्त बच्चों की संख्या

क्र.	विधानसभा क्षेत्र का नाम	स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कुपोषित बच्चों की संख्या
1	जबलपुर पूर्व	30
2	जबलपुर उत्तर मध्य	73
3	जबलपुर केन्ट	68
4	जबलपुर पश्चिम	58
5	बरगी	19
6	पाटन	64
7	पनागर	138
8	सिहोरा	66
योग		516

उप संचालक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
मध्यप्रदेश